# जेल से पीएम तक का सफर

## चार साल में तारिक रहमान ने बीएनपी को दिलाई सत्ता

**नई दिल्ली, 13 फरवरी. लंदन में 17 साल के स्व-निर्वासन से लौटने के लगभग दो महीने बाद सभी उम्मीदों को धता बताते हुए तारिक रहमान ने बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी को एक निर्णायक जीत दिलायी है. इस शानदार जीत में बीएनपी ने दो-तिहाई से अधिक सीटों पर कब्जा किया और अवामी लीग पर लगे विवादास्पद प्रतिबंध के बाद बने शून्य को भर दिया.**

इस जीत ने शासन का कोई पिछला अनुभव न रखने वाले व्यक्ति को 17 करोड़ लोगों के राष्ट्र के प्रमुख के पद पर पहुंचा दिया है. विरासत की राजनीति के अभ्यस्त इस देश में, श्री रहमान का उत्थान अपरिहार्य और असंभव दोनों ही महसूस हुआ. वह जियाउर रहमान के सबसे बड़े बेटे हैं, वही पूर्व सैन्य अधिकारी जिन्होंने 1971 में बंगलादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी और बाद में पहले एक शासक और फिर निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में शासन किया. उनकी माँ खालिदा जिया दो बार प्रधानमंत्री रह चुकी हैं. दशकों तक, बंगलादेश का सार्वजनिक जीवन बेगमों की जंग के इर्द-गिर्द घूमता रहा, एक तरफ बेगम जिया और दूसरी तरफ बंगलादेश के संस्थापक शेख मुजीब की बेटी शेख हसीना. श्री रहमान इसी प्रतिद्वंद्विता की छाया में बड़े हुए. नब्बे के दशक और दो हजार के दशक की शुरुआत में अपनी माँ की सरकारों के दौरान, उन्होंने कोई औपचारिक पद नहीं संभाला. लेकिन ढाका के गलियारों और मंत्रालयों में यह स्पष्ट रूप से समझा जाता था कि श्री रहमान के करीब होना उतना ही मूल्यवान हो सकता है जितना कि खुद प्रधानमंत्री के करीब होना. उनके प्रशंसक उन्हें पार्टी का रणनीतिकार और आधुनिकतावादी कहते थे, जबकि आलोचक उनके लिए %राजकुमार% और गेटकीपर जैसी शब्दावली का इस्तेमाल करते थे.

### बंगलादेश 4 वर्षों तक सबसे भ्रष्ट देश

बीएनपी के 2001-2006 के कार्यकाल के दौरान लगे आरोपों के कारण ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने बंगलादेश को लगातार चार वर्षों तक दुनिया का सबसे भ्रष्ट देश करार दिया था. 2006 में जब सरकार का कार्यकाल समाप्त हुआ, तो देश एक ऐसे चुनाव की ओर बढ़ रहा था जिस पर कम ही लोगों को भरोसा था. एक सैन्य-समर्थित अंतरिम प्रशासन ने हस्तक्षेप किया और उसके बाद हुए उथल-पुथल में श्री रहमान को गिरफ्तार कर अठारह महीने के लिए जेल भेज दिया गया. उन पर गबन, धन शोधन से लेकर अवामी लीग की रैली पर ग्रेनेड हमले में कथित संलिप्तता तक दर्जनों मामले दर्ज किए गए थे.

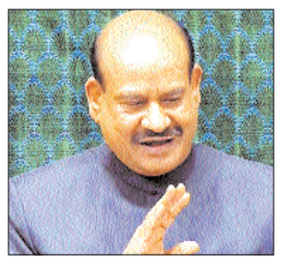

## बिरला ने सरोजिनी नायडू की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली, 13 फरवरी.** लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में सरोजिनी नायडू की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की. लोकसभा सचिवालय ने बताया कि श्री बिरला के अलावा राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, संसद सदस्यों, पूर्व सदस्यों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस अवसर पर श्रीमती नायडू को श्रद्धांजलि अर्पित की. श्रीमती नायडू, जिन्हें भारत कोकिला (नाइटिंगेल ऑफ इंडिया) के नाम से जाना जाता है, एक प्रतिभाशाली वक्ता, सुविख्यात कवयित्री और प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थीं. उनका जन्म 13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में हुआ था.

# सेवा तीर्थ : जनसेवा का नया अध्याय : शाह

**गृह मंत्री शाह ने कहा— 'सेवा तीर्थ' विकसित और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक पहल**

- सेवा से विकास तक : नया संकल्प
- जनकल्याण का केंद्र बना 'सेवा तीर्थ'

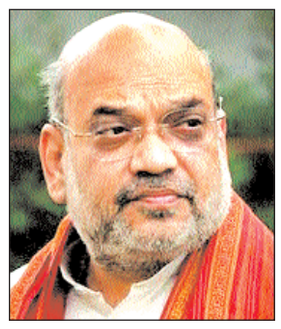

**नई दिल्ली, 13 फरवरी. प्रधानमंत्री कार्यालय के नए परिसर 'सेवा तीर्थ' का लोकार्पण एक प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक क्षण के रूप में सामने आया है. इसे केवल एक प्रशासनिक भवन नहीं, बल्कि जनसेवा की भावना को समर्पित एक केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है.**

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि यह पहल भारतीय लोकतंत्र में जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में सरकार ने सेवा, सुशासन और विकास को केंद्र में रखकर कई जनकल्याणकारी योजनाएँ लागू की हैं. 'सेवा तीर्थ' को इसी निरंतर प्रयास का विस्तार बताया जा रहा है.

सरकार का दावा है कि यह नया कार्यालय नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा, जिससे विकास की योजनाएँ अधिक प्रभावी ढंग से देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सकें. देश के गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री कार्यालय के नए परिसर 'सेवा तीर्थ' को सरकार के सेवा-संकल्प का सशक्त प्रतीक बताया है. उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा जनसेवा में निहित है और इसी भावना को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से इस नए परिसर की स्थापना की गई है. गृह मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि यह दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सेवा तीर्थ' का लोकार्पण कर शासन को जनकेंद्रित बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है. उनके अनुसार, यह केवल एक प्रशासनिक ढांचा नहीं, बल्कि सेवा-भाव से संचालित सरकार के विज़न का प्रतीक है.

> अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि पिछले 11 वर्षों में मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने समाज के हर वर्ग तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं. चाहे वह बुनियादी ढांचे का विस्तार हो, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ हों या डिजिटल सेवाओं का विस्तार—सरकार ने सुशासन को प्राथमिकता दी है. 'सेवा तीर्थ' को इन प्रयासों की संस्थागत मजबूती के रूप में देखा जा रहा है.

# कोई भी कानून से ऊपर नहीं : योगी

- हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं होता

**लखनऊ, 13 फरवरी. उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था, धार्मिक परंपराओं और विपक्ष के रुख को लेकर तीखे बयान दिए. प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान हुई घटना पर बोलते हुए कहा कि हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं हो सकता और कोई भी कानून से ऊपर नहीं है.**

विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि चार पीठों की परंपरा और वेदों की मर्यादा निर्धारित है, जिसे आदि जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने स्थापित किया था. नियमों का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि धार्मिक आयोजनों में व्यवस्था और सुरक्षा सर्वोपरि है. जहां से श्रद्धालु स्नान कर बाहर निकल रहे हों, वहां कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति ऐसा कदम नहीं उठा सकता जिससे भगदड़ की स्थिति बने. श्रद्धालुओं की जान से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता. उन्होंने दोहराया कि सरकार कानून का पालन करना और करवाना दोनों जानती है.

### माफिया ही नहीं, मच्छरों का भी इलाज करती सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी सरकार केवल माफिया के खिलाफ ही नहीं, बल्कि मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई करती है. उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2017 से पहले इंसेफलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से हर साल सैकड़ों बच्चों की मौत होती थी, लेकिन सरकार के समन्वित प्रयासों से इस पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया है.

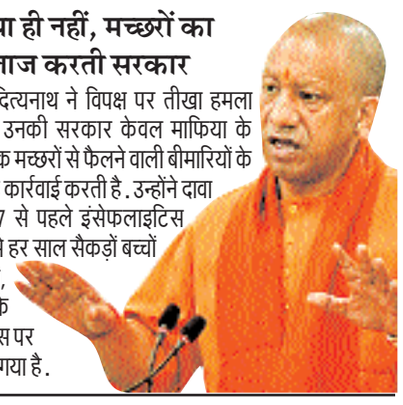

## वाराणसी कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी

**वाराणसी, 13 फरवरी.** धार्मिक नगरी काशी में शुक्रवार को जिला न्यायालय (कचहरी) को बम से उड़ाने की धमकी मिली है. यह धमकी ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद परिसर में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही पुलिस उपायुक्त (वरुणा जोन) प्रमोद कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई. कचहरी परिसर को तत्काल खाली कराया जा रहा है तथा सभी अधिवक्ताओं को घर लौटने की अपील की जा रही है. पुलिस उपायुक्त (वरुणा जोन) प्रमोद कुमार ने बताया कि जिला जज संजीव शुक्ला को ई मेल के माध्यम से कचहरी परिसर में बम की खबर दी गई है.

# राज्य के सभी बंद चीनी मिलों को जल्द शुरू करें

**पटना, 13 फरवरी. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में बंद चीनी मिलों को जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिया है.**

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने शुक्रवार को एक अणे मार्ग स्थित संकल्प सभागार में सात निश्चय पार्ट- 3 के तहत समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार के लिये किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की. उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री के समक्ष %समृद्ध उद्योग सशक्त बिहार से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी. सूचना एवं प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह तथा गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव के. सेंथिल कुमार ने अपने-अपने विभागों द्वारा इस योजना के क्रियान्वयन के लिये किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी. गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव के. सेंथिल कुमार ने बताया कि गोपालगंज जिले के सासामूसा चीनी मिल को जल्द ही शुरू किया जायेगा. मुख्यमंत्री श्री कुमार ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में जो भी बंद चीनी मिले हैं, उनकी जल्द से जल्द शुरूआत करायें. उन्होंने कहा कि सासामूसा चीनी मिल जल्द शुरू किया जा रहा है. मुख्यमंत्री श्री कुमार ने निर्देश दिया कि सात निश्चय पार्ट-3 के तहत समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार योजना का क्रियान्वयन ठीक ढंग से और तेजी से पूर्ण करें.

## नील नदी में नाव पलटने से 21 लोगों की मौत

**खार्तूम.** उत्तरी सूडान के नील नदी प्रांत में यात्री नौका के डूबने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी, जबकि आठ लोगों को जिन्दा बचा लिया गया है. नील नदी प्रांत की सरकार ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, बुधवार को नाव डूबने के बाद नदी से 21 शव बरामद किये गये हैं. लापता लोगों की तलाश जारी है और नागरिक रक्षा दल बचाव की कोशिशों में जुटे हैं. एक चश्मदीद गवाह ने बताया कि नाव में 30 से ज्यादा सवार मौजूद थे. नदी से निकाले गये शवों में 16 महिलाएं, पांच पुरुष शामिल हैं. आठ लोगों को जिन्दा बचा लिया गया है.

## एक नजर में

### मुर्मु ने राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ किया

**नई दिल्ली, 13 फरवरी.** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां ब्रह्मा कुमारीज के अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन किया तथा सशक्त भारत के लिए कर्मयोग नामक राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ किया. राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रपति ने गुरुग्राम स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर के रजत जयंती समारोह का भी शुभारंभ किया. श्रीमती मुर्मु ने कहा कि संतुलित और समग्र विकास के लिए नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिकता का भौतिक प्रगति के साथ समन्वय आवश्यक है. आर्थिक प्रगति समृद्धि को बढ़ावा देती है और तकनीकी प्रगति नवाचार, दक्षता तथा प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है. ये एक समृद्ध राष्ट्र की नींव रखते हैं. किन्तु नैतिकता के बिना आर्थिक और तकनीकी विकास समाज में असंतुलन उत्पन्न कर सकता है. उदाहरण के लिए, अनैतिक आर्थिक प्रगति से धन और संसाधनों का केंद्रीकरण, पर्यावरण को क्षति तथा समाज के कमजोर वर्गों का शोषण हो सकता है.

### देश की पहली डीडीआईसी ओसैट सुविधा यीडा में

**लखनऊ/नोएडा, 13 फरवरी.** उत्तर प्रदेश को देश के सेमीकंडक्टर केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में 21 फरवरी को ऐतिहासिक कदम उठाया जाएगा, जब यीडा क्षेत्र में इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के सेमीकंडक्टर संयंत्र का शिलान्यास होगा. यह संयुक्त उद्यम एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप द्वारा स्थापित किया जा रहा है. इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव परियोजना स्थल पर उपस्थित रहेंगे. यीडा क्षेत्र के सेक्टर 28 में 48 एकड़ भूमि पर होने जा रहा शिलान्यास कार्यक्रम उत्तर प्रदेश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा. यह परियोजना भारत सरकार के सेमीकंडक्टर मिशन और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से स्थापित की जा रही है. यह देश की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट (डीडीआईसी) ओसैट (आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्टिंग) सुविधा होगी, जहां चिप्स की उन्नत पैकेजिंग, संयोजन और परीक्षण किया जाएगा. डीडीआईसी चिप्स का उपयोग मोबाइल, टीवी, लैपटॉप और ऑटोमोबाइल डिस्प्ले में होता है. वर्तमान में इनकी आपूर्ति के लिए भारत काफी हद तक आयात पर निर्भर है. यह संयंत्र घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देकर आयात निर्भरता कम करेगा.

## आज का इतिहास

**1537-** गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह की पुर्तगालियों से बचकर भागने के दौरान डूबने से मौत हुई.

**1556-** पंजाब के गुरुदासपुर जिले के कलानौर में मात्र 13 वर्ष की आयु में अकबर को मुगल सम्राट बनाया गया.

**1876-** अलैक्जैंडर ग्राहम बेल ने टेलीफोन के पेटेंट के लिए आवेदन किया.

**1939-** बम्बई के तत्कालीन प्रशासन ने शहर में शराबबंदी का प्रस्ताव रखा.

**1952 -** सुषमा स्वराज का जन्म. वह भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता रहीं.

# डानकुनि-सूरत डीएफसी जल्द पूरा करें : वैष्णव

- वैष्णव ने 2100 किमी गलियारे पर जोर दिया
- माल ढुलाई के लिए नया डीएफसी तेजी से बनेगा

**नई दिल्ली,13 फरवरी. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने माल गाड़ियों के लिए डानकुनि-सूरत गलियारे (डीएफसी) के काम को तेजी से पूरा करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है. रेलवे की ओर से जारी विज्ञप्ति से अनुसार केंद्रीय बजट 2026 में घोषित डानकुनि-सूरत गलियारा को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.**

रेल मंत्री ने अधिकारियों को इस परियोजना को तय समय में पूरा करने के निर्देश दिये हैं. रेलवे के अनुसार यह नया समर्पित माल गलियारा लगभग 2,100 किलोमीटर लंबा होगा. यह डानकुनि से सूरत तक पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर गुजरेगा. इससे पूर्वी और पश्चिमी भारत के बीच माल ढुलाई तेज़ और आसान होगी समय की बचत होगी और मौजूदा रेल मार्गों पर भीड़ कम होगी.

> रेलवे ने कहा है कि डीएफसीसीआईएल के अधिकारियों को आधुनिक तकनीक के अनुसार बेहतर तकनीकी मानक तय करने के निर्देश दिए गये हैं. इसमें उच्च क्षमता की बिजली व्यवस्था, बिना किसी लेवल क्रॉसिंग के ट्रैक और कवच जैसी आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली शामिल करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा बढ़े और अधिक माल ढुलाई हो सके.

## सीएम धामी ने बॉडी बिल्डर प्रतिभा थपलियाल को किया सम्मानित

**देहरादून, 13 फरवरी. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून स्थित शा. आवास पर उत्तराखंड निवासी अंतरराष्ट्रीय महिला बॉडी बिल्डर प्रतिभा थपलियाल को उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया. श्री धामी ने प्रतिभा को शॉल ओढ़ाकर और गमला भेंट कर सम्मानित किया है.**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभा की उपलब्धियों को उत्तराखंड की मातृशक्ति के गौरव तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त और प्रेरणादायक कदम बताया. उन्होंने कहा कि प्रतिभा की सफलता से प्रदेश, विशेषकर दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाली बेटियों को खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी. मातृशक्ति अब खेलों के साथ-साथ अन्य विविध क्षेत्रों में भी अपने कैरियर की संभावनाएं तलाश रही हैं, जो प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है. मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भूमि मातृप्रधान रही है तथा पहाड़ की महिलाएं कृषि, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की धुरी रही हैं. समय-समय पर राज्य की महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण, समाज सेवा, खेल और सुशासन के क्षेत्र में देश-दुनिया का मार्गदर्शन किया है. हमें अपनी मातृशक्ति पर गर्व है. प्रदेश की ऐसी प्रतिभाशाली महिलाएं जो विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित कर रही हैं, उन्हें राजकीय सेवा में अवसर प्रदान करने का भी प्रयास किया जाएगा, ताकि वे समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बन सकें.

# किसानों की सेवा ही सर्वोपरि : केंद्रीय मंत्री शिवराज

- अन्नदाता से ऊर्जादाता तक मोदी युग में कृषि और किसानों का समग्र विकास

**नई दिल्ली, 13 फरवरी. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सभा में सांसदों के सवालों के जवाबों में साफ कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता सुख के लिए नहीं, बल्कि किसान, गांव और गरीब के सर्वांगीण विकास के लिए है.**

उन्होंने जोर देकर कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं,

जीवनदाता है. भगवान तो नहीं, पर भगवान से कम भी नहीं. और इसी सोच के साथ एमएसपी, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, पीएम-कुसुम, पराली प्रबंधन और फसल विविधीकरण जैसी नीतियाँ जमीन पर बदलाव ला रही हैं.

> किसान जीवनदाता, कांग्रेस की 50 साल की उपेक्षा बनाम मोदी सरकार का फोकस केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सत्ता के स्वर्ण सिंहासन पर आरूढ़ होकर सत्ता सुख के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण, किसानों के कल्याण, दरिद्र नारायण की सेवा और आत्मनिर्भर-विकसित भारत के निर्माण के लिए राजनीति करते हैं. उन्होंने किसान को जीवनदाता बताते हुए कहा कि वह भगवान से कम नहीं है.

## कर्नाटक में 3 वाहनों की टक्कर में 7 लोगों की मौत

**बेंगलुरु.** कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले में होसकोटे तालुक के एम सत्यवारा गांव के पास शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गयी. यह हादसा एक कार, एक मोटरसाइकिल और एक कैंटर गाड़ी की टक्कर की वजह से हुआ. पुलिस ने इस हादसे की वजह वाहनों की तेज रफ्तार होने की आशंका जतायी है. यह हादसा होसकोटे-डबसपेटे राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ. जानकारी के अनुसार एक कार ने अपने आगे चल रही मोटरसाइकिल को पहले टक्कर मार दी. इसके बाद कार उसी रास्ते पर चल रही एक कैंटर गाड़ी से टकरा गयी.

**रणनीति** किसान नेताओं से मुलाकात कर राहुल ने बनाई भविष्य की रणनीति

# राहुल गांधी के नेतृत्व में किसान आंदोलन की तैयारी में कांग्रेस

**प्रवेश कुमार मिश्र**

**नई दिल्ली,13 फरवरी. भारत-अमेरिका व्यापार समझौता को किसान विरोधी बताते हुए जिस आक्रमकता के साथ संसद के अंदर और बाहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इसे बड़ा मुद्दा बना कर किसानों को लामबंद करने का प्रयास किया है उससे साफ है कि राहुल गांधी जल्द ही सरकार के खिलाफ किसानों को एकजुट कर बड़ा आंदोलन आरंभ करेंगे.**

सूत्रों की मानें तो कांग्रेसी रणनीतिकार इस विषय को आधार बनाकर गांव-गांव तक पहुंचने का बड़ा साधन मान रहे हैं.

राहुल गांधी ने इसी वजह से पिछले दिनों संसद के अंदर सरकार पर सीधा हमला करते हुए न सिर्फ अमेरिकी ट्रेड डील को भारत विरोधी बताया बल्कि भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार को किसान विरोधी करार दिया.

इतना ही नहीं राहुल गांधी ने पिछले दिनों सोशल मीडिया पर भी आक्रामक तेवर अपनाते हुए सरकार पर अपना प्रहार जारी रखा. जिसके कारण आनन-फानन में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व पीयूष गोयल ने अमेरिकी व्यापार समझौता के विभिन्न पहलुओं को सामने रखते हुए स्पष्ट किया कि व्यापार समझौता का ढांचा भारतीय किसानों के हितों को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचाएगा. टेक्सटाइल उद्योग को भी नुकसान नहीं होने का दावा करते हुए पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया समझौते के प्रारूप में सभी पक्षों को बेहतर तरीका से रखा गया है किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है.

> सूत्रों की माने तो कांग्रेसी रणनीतिकारों ने किसानों के संदर्भ में उठाए गए सवाल को तर्कसंगत मानते हुए इसे आम किसानों तक पहुंचने की रणनीति बनानी आरंभ कर दी है. इसी सिलसिले में राहुल गांधी ने देश के विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं के साथ लंबी मंत्रणा की है. राहुल ने किसान नेताओं से मुलाकात के दौरान ट्रेड डील से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से चर्चा की है. सूत्रों की माने तो किसान नेताओं ने राहुल गांधी को आश्वस्त किया है कि किसानों के हित को आगे रखते हुए यदि कांग्रेस पार्टी किसी भी प्रकार के आंदोलन को लेकर आगे बढ़ती है तो किसान संगठन उसका समर्थन करेगा. हालांकि कांग्रेस चाहती है कि किसान नेता स्वयं अपने नेतृत्व में किसानों के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन करें. इतना ही नहीं कांग्रेसी रणनीतिकार टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े छोटे उद्योगों को भी भविष्य के आंदोलनों से सीधे जोड़ने की रणनीति पर भी विचार कर रहे हैं. बहरहाल, जिस तरह की रणनीति बन रही है उससे साफ है कि कांग्रेसी रणनीतिकार किसान और टेक्सटाइल उद्योग के मुद्दों को उठाकर न सिर्फ अपनी खोई जमीन हासिल करना चाहते हैं बल्कि सरकार को बैक फुट पर लाकर दूर का संदेश देना चाहते हैं.

# 50900 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात

**जयपुर, 13 फरवरी. राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के निर्यात क्षेत्र का निरंतर विकास हो रहा है तथा वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 50 हजार 900 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात किया गया है.**

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार डीजीसीआई केन्द्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में ही राजस्थान से 50 हजार 900 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ है. राज्य से वर्ष 2024-25 में कुल 97 हजार 171 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ जो वर्ष 2023-24 के कुल निर्यात 83 हजार 704 करोड़ रुपये की तुलना में 13 हजार 467 करोड़ रुपये अधिक है. गत दो वर्षों में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों और ठोस निर्णयों से प्रदेश के निर्यातकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करायी जा रही है, जिससे प्रदेश के उत्पादों की वैश्विक छवि मजबूत बन रही है और स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन भी हो रहा है.

राजस्थान की पांच प्रमुख निर्यातक वस्तुओं में इंजीनियरिंग वस्तुएं, रत्न एवं आभूषण, धातु, वस्त्र तथा हस्तशिल्प प्रमुख हैं, जिनका राज्य के निर्यात में 67 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है. आर्थिक समीक्षा 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान से कपड़ा निर्यात वर्ष 2024-25 में नौ हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक रहा.